

VI. मूल्य स्थिति

मुद्रास्फीति, जैसाकि थोक मूल्य सूचकांक में वर्ष-दर-वर्ष घट-बढ़ से मापा गया, 2 अगस्त 2008 की 12.9 प्रतिशत की ऊंचाई से तेजी से घटकर मार्च 2009 के अंत में 0.8 प्रतिशत हो गई। 2009-10 में इसमें पुनः गिरावट आई और जून 2009 के अंत में यह ऋणात्मक हो गई तथा तबसे ऋणात्मक बनी हुई है (11 जुलाई 2009 को - 1.2 प्रतिशत)। देखी गयी ऋणात्मक डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 2008-09 की पहली छमाही के मूल्यों में तीव्र वृद्धि के कारण उच्च आधार प्रभाव को परिलक्षित करती है। मार्च 2009 के अंत से, डब्ल्यूपीआई की गति से मूल्य दबावों की मौजूदगी का पता चलता है। 2009-10 के दौरान (11 जुलाई 2009 तक) डब्ल्यूपीआई में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अंतरराष्ट्रीय तेल मूल्यों में वृद्धि के कारण 2 जुलाई 2009 से प्रभावी प्रशासित पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्यों में बढ़ोतरी ने आंशिक रूप से इस अवधि के दौरान डब्ल्यूपीआई की वृद्धि में योगदान किया। यद्यपि अंतरराष्ट्रीय पण्यों के मूल्य 2008-09 की ऊंचाई से काफी अधिक गिरे, 2009-10 की पहली तिमाही में उनमें कुछ वृद्धि दिखी। प्रमुख पण्यों की घरेलू आपूर्ति संभावनाएं भी मानसून के देरी से आने के कारण प्रभावित हुई। अल्पावधि में हेडलाइन मुद्रास्फीति संख्या के ऋणात्मक होने के बावजूद भी मूल्य दबावों के दृष्टिगोचर चिह्नों ने मौद्रिक नीति के संचालन के लिए जटिल चुनौतियां पेश कीं, विशेष रूप से मंदीयुक्त घरेलू मांग दशाओं को देखते हुए। भारत में सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति ऊंची बनी हुई है और डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति और सीपीआई मुद्रास्फीति के बीच अंतर बना हुआ है।

VI.1 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच मुद्रास्फीति दशाएं कम बनी रहीं। वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण कुल मांग के दबाव कम बने हुए हैं और अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्य 2008-09 की

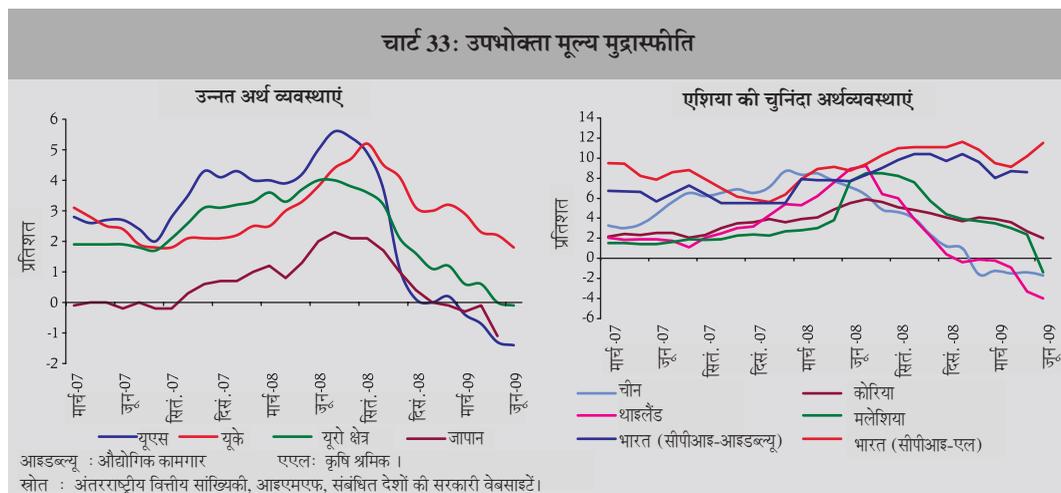
पहली छमाही के दौरान रिकार्ड की गयी ऊंचाई की तुलना में काफी अधिक बने रहे। 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अधिकांश केन्द्रीय बैंकों के मौद्रिक नीति रुझान विस्तारकारी बने रहे, क्योंकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में वित्तीय संकट के प्रभाव के कारण गहरी मंदी रही और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि में काफी अधिक संक्रमण प्रेरित कमी देखी गई।

VI.2 भारत में, 2009-10 के दौरान मुद्रास्फीति, जैसाकि डब्ल्यूपीआइ वर्ष-दर-वर्ष अंतरों से मापा गया, मार्च 2009 के अंत के 0.8 प्रतिशत से गिरकर जून 2009 में ऋणात्मक (11 जुलाई 2009 को - 1.2 प्रतिशत) हो गई, जो व्यापक रूप से 2008-09 की पहली छमाही के मूल्यों में तीव्र वृद्धि के आधार प्रभाव को परिलक्षित करती है। फिर भी, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान (11 जुलाई 2009 तक) डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति 3.5 प्रतिशत बढ़ गई है, जो मूल्य दबावों की मौजूदगी को परिलक्षित करती है। उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति, जैसी कि विभिन्न उपभोक्ता मूल्यों में परिलक्षित हुई, मई-जून 2009 (वर्ष-दर-वर्ष) के दौरान 8.6 - 11.5

प्रतिशत के दायरे में अधिक बनी रही जबकि मार्च 2009 में यह 8.0 - 9.7 प्रतिशत थी।

वैश्विक मुद्रास्फीति

VI.3 प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में हेडलाइन मुद्रास्फीति 2008-09 की पहली छमाही के दौरान के उच्चस्तर से गिरना जारी रही। ओईसीडी देशों में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति मई 2009 में गिरकर 0.1 प्रतिशत हो गई, जो वार्षिक मुद्रास्फीति में तीव्र गिरावट की निरंतरता को दर्शाती है क्योंकि यह जुलाई 2008 में 4.9 प्रतिशत की ऊंचाई पर थी। ओईसीडी देशों की मुद्रास्फीति में हाल की गिरावट ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण थी। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच, अमरीका, जापान और यूरो क्षेत्र में हेडलाइन मुद्रास्फीति ऋणात्मक क्षेत्र में पहुंच गयी जबकि ब्रिटेन में मुद्रास्फीति जून 2009 में घटकर 1.8 प्रतिशत हो गई (चार्ट 33)। मूल मुद्रास्फीति भी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में कम हुई। ओईसीडी देशों में, खाद्य और ऊर्जा को छोड़कर, मुद्रास्फीति सितंबर 2008 के 2.4 प्रतिशत से घटकर मई 2009 में 1.8 प्रतिशत हो



गई। उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआइ) मुद्रास्फीति उन्नत और उभरती बाजार व्यवस्थाओं दोनों में तेजी से कम हुई। ओईसीडी देशों में, पीपीआइ मुद्रास्फीति, जो जुलाई 2008 में 10.3 प्रतिशत तक बढ़ी थी, मई 2009 में तेजी से घटकर (-) 5.6 प्रतिशत हो गई।

VI.4 2008 के मध्य से अधिकांश उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में हेडलाइन मुद्रास्फीति में काफी अधिक गिरावट आई और 2009 की पहली छमाही में अमरीका, जापान और यूरो क्षेत्र में ऋणात्मक मुद्रास्फीति के कारण, मंदीकारी स्थितियों के जारी रहने को देखते हुए सुदृढ़ डिसइन्फ्लेशन प्रक्रिया ने अवस्फीति की चिंताओं को जन्म दिया। डिसइन्फ्लेशन प्रक्रिया में योगदान करने वाले प्रमुख कारकों में शामिल हैं - 2008 और मई 2009 के बीच तेल मूल्यों में तीव्र गिरावट, खाद्य और धातु के मूल्यों में बहुत अधिक निम्नगामी गिरावट, कम जहाजरानी लागत और क्षमता उपयोग में कमी के कारण काफी अधिक शिथिलता। बीआइएस (वार्षिक रिपोर्ट, जून 2009) के अनुसार, समकालिक मंदी और घरेलू बचत में संभावित वृद्धि डिसइन्फ्लेशन दबाव को और अधिक बढ़ा सकती है। जबकि अल्पकालिक मुद्रास्फीति की प्रत्याशाओं में कमी आई है, दीर्घकालिक प्रत्याशाएं स्थिर बनी रहीं। आइएमएफ (जुलाई 2009) के मूल्यांकन के अनुसार, वैश्विक मुद्रास्फीति के काफी अधिक अतिरेक क्षमता के कारण, पण्य मूल्यों में सुधार के उर्ध्वगामी दबाव के बावजूद, कम बने रहने की प्रत्याशा है। मूल मुद्रास्फीति और प्रत्याशाओं के रुझान को देखते हुए निरंतर अवस्फीति के जोखिम को छोटा माना जा रहा है।

VI.5 अधिकांश केन्द्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति कार्रवाइयां वित्तीय संकट के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने पर केन्द्रित होना जारी रहीं। अमरीका, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों ने, जिन्होंने अपनी नीति दरों को 2008-09 में घटाकर शून्य के लगभग रखा, 2009-10 की पहली

तिमाही के दौरान इन दरों को अपरिवर्तित रखा। यूरो क्षेत्र, ऑस्टेलिया और कनाडा जैसी अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के केन्द्रीय बैंकों ने 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान नीति दरों को और घटाया (सारणी 49)।

VI.6 2008-09 की दूसरी छमाही से, अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्यों में गिरावट और वैश्विक वित्तीय संकट के स्फिलओवर के कारण आर्थिक गतिविधियों में सामान्य कमी आई, उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्रास्फीति में काफी अधिक आसानी दिखी। प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्था के बीच, चीन, थाइलैंड और मलेशिया में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति ऋणात्मक हो गई जबकि अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मूल्य दबावों में काफी अधिक कमी दिखी। उभरती अर्थव्यवस्थाओं (चीन को छोड़कर) के अधिकांश केन्द्रीय बैंकों ने वृद्धि में गिरावट को रोकने और वैश्विक वित्तीय संकट के स्फिलओवर प्रभावों का सामना करने के लिए अपनी नीति दरों को कम करना जारी रखा।

वैश्विक पण्य मूल्य

VI.7 जुलाई से दिसंबर 2008 की अवधि के दौरान तीव्र गिरावट दर्ज करने के पश्चात, अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्यों में जून 2008 तक मुख्य रूप से कच्चे तेल और खाद्य मूल्यों में बढ़ोतरी के कारण कम वृद्धि हुई (सारणी 50)। फिर भी, अधिकांश पण्य मूल्य 2008-09 की पहली छमाही के दौरान दर्ज काफी उच्चे स्तर की तुलना में वास्तविक रूप में कम बने रहे जैसाकि ऋणात्मक वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तनों में परिलक्षित होता है (चार्ट 34)। वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार की प्रत्याशाएं और प्रमुख कृषि उत्पादों में कमजोर आपूर्ति संभावनाएं अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्यों में हाल की वृद्धि की प्रमुख कारक बनी हुई हैं। जुलाई 2009 में, अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में काफी अधिक अस्थिरता दिखी।

सारणी 49 : वैश्विक मुद्रास्फीति संकेतक

(प्रतिशत)

देश/ क्षेत्र	प्रमुख नीति दर	नीति दर (23 जुलाई 2009 को)	नीति दर में परिवर्तन (आधार अंक)		सीपीआइ मुद्रा स्फीति (वर्ष-दर-वर्ष)		
			सितंबर 08 - मार्च 09	मार्च 09 के अंत से	जून 2008	अगस्त 2008	जून 2009
1	2	3	4	5	6	7	8
विकसित अर्थव्यवस्थाएं							
ऑस्ट्रेलिया	नकद दर	3.00 (अप्रै. 8, 2009)	(-) 400	(-) 25	4.5 [^]	5.0 [@]	1.5 [^]
कनाडा	ओवर नाइट दर	0.25 (अप्रै. 21, 2009)	(-) 250	(-) 25	3.1	3.5	-0.3
यूरो क्षेत्र	मुख्य पुनर्विनीयन परिचालनों पर ब्याज दर	1.00 (मई 13, 2009)	(-) 275	(-) 50	4.0	3.8	-0.1
जापान	संपाश्विकीकृत ओवर नाइट मांग दर	0.10 (दिसं. 19, 2008)	(-) 40	0	1.3*	2.1	-1.1*
यूके	सरकारी बैंक दर	0.50 (मार्च 5, 2009)	(-) 450	0	3.8	4.7	1.8
यूएस	फेडरल फंड दर	0.00 से 0.25 (दिसं. 16, 2008)	(-) 200	0	5.0	5.4	-1.4
विकासशील अर्थव्यवस्थाएं							
ब्राजील	सेलिक दर	9.25 (जून 11, 2009)	(-) 250	(-) 200	6.1	6.2	4.8
भारत	रिवर्स रिपो दर	3.25 (अप्रै. 21, 2009) 4.75 (अप्रै. 21, 2009)	(-) 250 (-) 400	(-) 25 0	7.8*	9.0	8.6*
चीन	1 वर्षीय बैंचमार्क उधार पर	5.31 (दिसं. 23, 2008)	(-) 216 (-300)	0 0	7.1	4.9	-1.7
इंडोनेशिया	बैंक इंडोनेशिया दर	6.75 (जुला. 3, 2009)	(-) 125	(-) 100	11.0	11.8	3.7
इजराइल	मुख्य दर	0.50 (अप्रै.1, 2009)	(-) 350	(-) 25	4.8	5.0	3.6
कोरिया	आधार दर	2.00 (फर. 12, 2009)	(-) 325	0	5.5	5.6	2.0
फिलीपीन्स	रिवर्स रिपो दर	4.00 (जुला. 9, 2009)	(-) 125	(-) 75	11.4	12.5	1.5
रूस	पुनर्विनीयन दर	11.00 (जुला. 13, 2009)	200	(-) 200	15.2	15.0	11.9
दक्षिण अफ्रीका	रिपो दर	7.50 (मई 29, 2009)	(-) 250	(-) 200	11.7*	13.7	8.0*
थाइलैंड	1 वर्षीय पुनर्खरीद दर	1.50 (अप्रै. 8, 2009)	(-) 225	(-) 25	8.0	6.4	-4.0

[^] : ति2.

[@] : ति3.

*: मई.

टिप्पणी : 1. भारत में, मुद्रास्फीति के आंकड़े औद्योगिक कामगारों के लिए सीपीआइ से संबंधित हैं।

2. स्तंभ (3) में कोष्ठक के आंकड़े उस तारीख को दर्शाते हैं जब नीति दरें पिछली बार संशोधित की गई थीं।

3. स्तंभ (4) में कोष्ठक के आंकड़े अवधि के दौरान नकदी आरक्षित निधि अनुपात में अंतर को दर्शाते हैं।

स्रोत : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, संबंधित केंद्रीय बैंकों की वेबसाइटों और दि इकोनोमिस्ट।

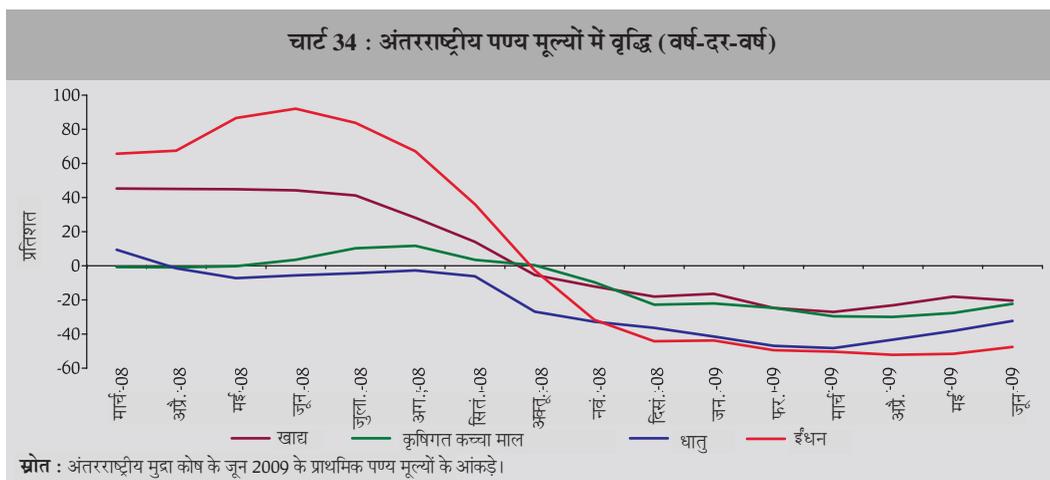
VI.8 अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्य (मासिक औसत-बेस्ट टेक्सास इंटरमीडियरी) जुलाई 2008 के 133.4 बिलियन अमरीकी डॉलर की ऐतिहासिक ऊंचाई से तेजी से गिरकर फरवरी 2009 में 39.2 प्रतिशत हो गए, जो आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के देशों विशेष रूप से एशिया में, आर्थिक मंदी के फलस्वरूप और कुछ विकासशील देशों में मांग

की गिरती स्थिति को दर्शाती है। इसके पश्चात कच्चे तेल के मूल्य जून 2009 के अंत तक बढ़कर प्रति बैरल लगभग 70 अमरीकी डॉलर हो गये, जो शीघ्र वैश्विक आर्थिक सुधार की प्रत्याशाओं और तेल खपत में भावी वृद्धि को परिलक्षित करते हैं। तबसे डब्ल्यूटीआइ कच्चे तेल के मूल्य अस्थिर बने हुए हैं और वे 23 जुलाई 2009 को प्रति बैरल 66.0 अमरीकी डॉलर थे।

सारणी 50 : अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्य													
पण्य	यूनिट	बाजार मूल्य (2004)	सूचकांक (2004=100)									घट-बढ़ (प्रतिशत)	
			2005	2006	2007	मार्च 2008	जून 2008	मार्च 2009	अप्रै. 2009	मई 2009	जून 2009	जून 08 की तुलना में जून 09	मार्च 09 की तुलना में जून 09
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
ऊर्जा													
कोयला	\$/एमटी	53	90	93	124	223	302	115	120	122	135	-55.3	17.0
कच्चा तेल (औसत)	\$/बॉबोएल	38	142	170	188	270	349	124	133	154	183	-47.4	48.3
ईंधनेतर पण्य													
पाम तेल	\$/एमटी	471	90	101	165	265	257	127	149	170	155	-39.8	22.1
सोयाबीन तेल	\$/एमटी	616	88	97	143	240	250	118	130	145	144	-42.4	21.7
सोयाबीन	\$/एमटी	307	90	88	125	188	203	123	135	152	164	-19.4	32.3
चावल	\$/एमटी	238	120	128	137	250	318	247	231	224	241	-24.4	-2.8
गेहूँ	\$/एमटी	157	97	122	163	280	222	147	149	167	163	-26.8	10.4
मक्का	\$/एमटी	112	88	109	146	210	257	147	151	161	161	-37.5	9.1
चीनी	सी/किग्रा.	16	138	206	141	184	169	187	190	224	229	35.4	22.6
कपास ए इंडेक्स	सी/किग्रा.	137	89	93	102	129	124	83	92	100	99	-20.5	19.0
अल्युमिनियम	\$/एमटी	1716	111	150	154	175	172	78	83	85	92	-46.8	17.8
तांबा	\$/एमटी	2866	128	235	248	294	288	131	154	159	175	-39.3	33.7
सोना	सी/टीओजेड	409	109	148	170	237	217	226	218	227	231	6.3	2.3
चांदी	सी/टीओजेड	669	110	173	200	287	255	196	187	211	219	-14.0	11.8
स्टील कोल्ड-रोल्ड कॉइल शीट	\$/एमटी	607	121	114	107	132	181	148	115	115	115	-36.4	-22.2
स्टील हॉट-रोल्ड कॉइल शीट	\$/एमटी	503	126	119	109	149	199	159	119	119	119	-40.0	-25.0
टिन	सी/किग्रा.	851	87	103	171	233	261	125	138	162	176	-32.6	40.4
जस्ता	सी/किग्रा.	105	132	313	309	240	181	116	132	142	149	-17.8	28.0

\$: अमरीकी डॉलर सी : अमरीकी सेंट बॉबोएल : बैरल एमटी : मेट्रिक टन किग्रा.: किलोग्राम टीओजेड : ट्राय औंस
 स्रोत : विश्व बैंक के वास्तविक पण्य मूल्य आंकड़ों पर आधारित। संबंधित अवधि की तुलना में मूल्य प्रवृत्ति को बेहतर रूप से दर्शाने के लिए वर्ष 2004 को आधार वर्ष के रूप में लिया गया है।

VI.9 अगस्त 2008 से लौह और स्टील के मूल्य तेजी से घटे जो उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में गिरती मांग को परिलक्षित करते हैं क्योंकि वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण निर्माण गतिविधि



और उपस्करों में निवेश की कमतर संभावनाएं दिखी। विश्व बैंक स्टील मूल्य उत्पाद सूचकांक जून 2009 में वर्ष-दर-वर्ष 33.7 प्रतिशत गिरा। 'ओईसीडी स्टील समिति' के अनुसार, स्टील उद्योग से संबंधित स्टील का प्रयोग करने वाले प्रमुख क्षेत्रों को काफी अधिक और बहुव्यापी सरकारी सहायता से अप्रत्यक्ष तौर पर लाभ होने की आशा है, मुख्य रूप से विनिर्माण, विनिर्माण और ऑटोमोबाइल को, जैसीकि अधिकांश प्रोत्साहन पैकेज में योजना बनाई गयी है। लेकिन, वैश्विक स्टील की मांग में तीव्र पुनरुज्जीवन 2009 के अंत के पहले समिति द्वारा नहीं देखा गया।

VI.10 2008-09 की दूसरी तिमाही से अंतरराष्ट्रीय खाद्य के मूल्य बेहतर आपूर्ति संभावनाओं के कारण काफी अधिक कम हो गए, विशेष रूप से प्रमुख उत्पादक देशों के तिलहन और अनाज में तथा वित्तीय बाजार सहभागियों द्वारा पण्य निवेश की बिक्री के कारण। फिर भी, खाद्य मूल्य दिसंबर 2008 तक बढ़े (दिसंबर 2008 और जून 2009 के बीच आइएमएफ खाद्य मूल्य में 19.6 प्रतिशत की वृद्धि)। खाद्य मूल्यों में हाल की वृद्धि कई कारकों के कारण हो सकती है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने अपनी जून 2009 की 'खाद्य संभावना' में बताया है कि वर्ष 2009-10 में अनाज उत्पादन में कमी आएगी। तिलहन जैसे अन्य प्रमुख कृषि उत्पाद के लिए आपूर्ति संभावनाएं कठिन बनी रहीं क्योंकि दक्षिण अमरीका में फसल की संभावनाएं खत्म हो गई हैं और जारी गंभीर मौसम की समस्याओं के कारण सोयाबीन उत्पादन अनुमानों को कई बार कम करना पड़ा।

VI.11 2008-09 में अंतरराष्ट्रीय चीनी के मूल्य उच्च बने रहे और दिसंबर 2008 से बढ़े (दिसंबर 2008 और जून 2008 के बीच अंतरराष्ट्रीय चीनी मूल्य 40 प्रतिशत बढ़े)। 2008-09 में भारत के चीनी उत्पादन में तीव्र गिरावट और ईयू, अमरीका, चीन और ऑस्ट्रेलिया में कमतर फसल की संभावनाओं के कारण,

मूल्य का यह पैटर्न मुख्य रूप से वैश्विक निर्यात उपलब्धता में परिलक्षित हुआ। वैश्विक कपास मूल्यों में भी हाल के महीनों में वृद्धि हुई है। विश्व कपास मूल्यों में ('कपास ए सूचकांक' द्वारा प्रतिनिधित्व) मार्च 2009 से 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अंतरराष्ट्रीय कपास परामर्शदात्री समिति (आइसीएसी) के अनुसार, विश्व कपास उत्पादन के 2008-09 की तरह 2009-10 के दौरान उसी स्तर पर बने रहने की आशा है, जबकि वैश्विक खपत में मामूली रूप से वृद्धि की आशा है।

भारत में मुद्रास्फीति दशाएं

VI.12 सितंबर 2008 से, रिजर्व बैंक ने कुल मांग को रोकने से संबंधित अपने नीति रुझान को मांग विस्तार को समर्थन देने के रूप में परिवर्तित किया ताकि वृद्धि में कमी को रोका जा सके। तदनुसार, अक्टूबर 2008 और मार्च 2009 के बीच, रिजर्व बैंक ने एलएएफ के अंतर्गत रिपो दर को घटाकर 9.0 प्रतिशत से 5.0 प्रतिशत, एलएएफ के अंतर्गत रिवर्स रिपो दर को 6.0 प्रतिशत से 3.5 प्रतिशत और सीआरआर को 9.0 प्रतिशत से 5.0 प्रतिशत कर दिया। इन उपायों का उद्देश्य घरेलू चलनिधि को बढ़ाना और अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्र के लिए ऋण प्रवाह को जारी रखना सुनिश्चित करना था।

VI.13 वर्ष 2009-10 के लिए रिजर्व बैंक के वार्षिक नीति वक्तव्य में कहा गया कि वैश्विक मांग में मंदी के कारण, वैश्विक पण्य मूल्यों पर दबाव समस्त संसार में स्पष्ट रूप से कम हुआ। कच्चे तेल, धातु, खाद्यान्न, कपास और सीमेंट के मूल्यों में तीव्र गिरावट ने विश्व के अधिकांश हिस्से में मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं को प्रभावित किया। ऐसा घरेलू डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति में भी परिलक्षित हुआ जो मार्च 2009 के अंत तक शून्य के समीप पहुंच गयी थी। विनिर्मित उत्पादों के मूल्यों में तीव्र गिरावट हुई है, जबकि ईंधन समूह के मूल्य में संकुचन हुआ है, यद्यपि खाद्य वस्तुओं

के कारण मुद्रास्फीति उच्च बनी हुई है। घरेलू मूल्य के वैश्विक रुझान और घरेलू मांग-पूर्ति संतुलन को ध्यान में रखते हुए, वार्षिक नीति वक्तव्य में मार्च 2009-10 के लिए डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति का अनुमान लगभग 4.0 प्रतिशत लगाया गया।

VI.14 वार्षिक नीति वक्तव्य में यह भी कहा गया कि डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में शून्य के लगभग और संभवतः ऋणात्मक होने तक, अबलबत्ता थोड़ी अवधि

के लिए, गिरावट होगी। सीपीआई मुद्रास्फीति के कम होने की आशा है जिससे संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति जोखिम स्पष्ट रूप से कम हो गए हैं। मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने की इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, रिजर्व बैंक ने और मौद्रिक प्रोत्साहन की घोषणा की जिसके अनुसार 30 अप्रैल 2009 को एलएएफ के अंतर्गत रिपो दर को घटाकर 5.0 प्रतिशत से 4.75 प्रतिशत और एलएएफ के अंतर्गत रिवर्स रिपो दर को 3.5 प्रतिशत से 3.25 प्रतिशत किया गया (सारणी 51)।

सारणी 51 : भारत में प्रमुख नीति दरों में घट-बढ़

निम्नलिखित से प्रभावी	(प्रतिशत)				
	रिवर्स रिपो दर	रिपो दर	नकदी आरक्षित निधि अनुपात	डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति	सीपीआई (आइडब्ल्यू) मुद्रास्फीति
1	2	3	4	5	6
14 अप्रैल 2007	6.00	7.75	6.25 (+0.25)	6.3	6.7
28 अप्रैल 2007	6.00	7.75	6.50 (+0.25)	6.0	6.7
4 अगस्त 2007	6.00	7.75	7.00 (+0.50)	4.4	7.3
10 नवंबर 2007	6.00	7.75	7.50 (+0.50)	3.2	5.5
26 अप्रैल 2008	6.00	7.75	7.75 (+0.25)	8.3	7.8
10 मई 2008	6.00	7.75	8.00 (+0.25)	8.6	7.8
24 मई 2008	6.00	7.75	8.25 (+0.25)	8.9	7.8
12 जून 2008	6.00	8.00 (+0.25)	8.25	11.7	7.7
25 जून 2008	6.00	8.50 (+0.50)	8.25	11.9	7.7
5 जुलाई 2008	6.00	8.50	8.50 (+0.25)	12.2	8.3
19 जुलाई 2008	6.00	8.50	8.75 (+0.25)	12.5	8.3
30 जुलाई 2008	6.00	9.00 (+0.50)	8.75	12.5	8.3
30 अगस्त 2008	6.00	9.00	9.00 (+0.25)	12.4	9.0
11 अक्टूबर 2008	6.00	9.00	6.50 (-2.50)	11.3	10.4
20 अक्टूबर 2008	6.00	8.00 (-1.00)	6.50	10.8	10.4
25 अक्टूबर 2008	6.00	8.00	6.00 (-0.50)	10.7	10.4
3 नवंबर 2008	6.00	7.50 (-0.50)	6.00	8.7	10.4
8 नवंबर 2008	6.00	7.50	5.50 (-0.50)	8.7	10.4
8 दिसंबर 2008	5.00 (-1.00)	6.50 (-1.00)	5.50	6.6	9.7
5 जनवरी 2009	4.00 (-1.00)	5.50 (-1.00)	5.50	5.3	10.4
17 जनवरी 2009	4.00	5.50	5.00 (-0.50)	4.9	10.4
4 मार्च 2009	3.50 (-0.50)	5.00 (-0.50)	5.00	0.9	8.0
21 अप्रैल 2009	3.25 (-0.25)	4.75 (-0.25)	5.00	1.7	8.7

टिप्पणी: 1. 29 अक्टूबर 2004 से अंतरराष्ट्रीय प्रयोग को ध्यान में रखते हुए रिपो और रिवर्स रिपो के नाम बदल दिए गए। अब, रिवर्स रिपो चलनिधि अवशोषण दर्शाता है और रिपो चलनिधि की आपूर्ति दर्शाता है। 29 अक्टूबर 2004 से पहले रिपो चलनिधि अवशोषण दर्शाता था जबकि रिवर्स रिपो चलनिधि आपूर्ति।

2. कोष्ठकों के आंकड़े नीति दरों में परिवर्तन दर्शाते हैं।

VI.15 डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति, जो जून 2009 में ऋणात्मक हो गयी, के असमान, सीपीआइ मुद्रास्फीति मई-जून 2009 के दौरान 8.6 से 11.5 प्रतिशत के दायरे में उच्च बनी हुई है। वार्षिक नीति वक्तव्य में कहा गया कि डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति और सीपीआइ मुद्रास्फीति, जो अप्रैल 2007 तक कुल मिलाकर साथ-साथ चल रही थी, तबसे इनमें अंतर आने की प्रवृत्ति शुरू हो गई है। हाल की अवधि में यह अंतर असामान्य रूप से अधिक रहा है जो ईंधन और धातु, जिनका डब्ल्यूपीआइ में उच्च भारांक है, जैसे पण्य मूल्यों में अस्थिरता को दर्शाता है।

थोक मूल्य मुद्रास्फीति

VI.16 अगस्त 2008 से भारत में डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति में सुदृढ़ निम्नगामी रुझान दिखा है और मार्च 2009 के अंत तक यह 0.8 प्रतिशत पर पहुंच गयी है जिसका कारण पेट्रोलियम उत्पादों और बिजली के प्रशासित मूल्यों में कटौती तथा मुक्त रूप से मूल्यित खनिज तेल मदों, लौह और स्टील, तिलहन, खाद्य तेल, खली और कच्चे कपास के मूल्यों में गिरावट रही। इस अवधि के दौरान डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति में कमी के काफी अधिक हिस्से के लिए आधार प्रभाव को भी उत्तरदायी माना जा सकता है जो 2007-08 की अंतिम तिमाही के दौरान दर्ज मुद्रास्फीति में तीव्र वृद्धि को परिलक्षित करता है।

VI.17 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान वर्ष-दर-वर्ष डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति में और गिरावट आई, जो 6 जून 2009 को ऋणात्मक हो गई तथा ऋणात्मक बनी रही (11 जुलाई 2009 को - 1.2 प्रतिशत)। ऋणात्मक मुद्रास्फीति की संख्याएं, व्यापक रूप से जून 2008 में उच्च अंतरराष्ट्रीय मूल्यों के कारण पेट्रोलियम उत्पादों के प्रशासित मूल्यों में काफी अधिक वृद्धि के सुदृढ़ आधार प्रभाव को, परिलक्षित करती है। लौह और स्टील, अलौह धातु, रसायन और खाद्य तेलों जैसे मुक्त

रूप से मूल्यित उत्पादों में भी इस अवधि के दौरान वर्ष-दर-वर्ष गिरावट आई।

VI.18 वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक डब्ल्यूपीआइ में ऊर्ध्वगामी रुझान दिखा और यह मार्च 2009 के अंत की तुलना में 11 जुलाई 2009 को 3.5 प्रतिशत बढ़ी। डब्ल्यूपीआइ में हाल की वृद्धि व्यापक रूप से पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में बढ़ोतरी (2 जुलाई 2009 से प्रभावी), कच्चे तेल के मूल्यों में वृद्धि के अनुरूप ईंधन समूह के अंतर्गत मुक्त रूप से मूल्यित उत्पादों के मूल्यों में बढ़ोतरी और सब्जी, तिलहन/खली, कच्चे कपास तथा औषधि और दवाओं के उच्च मूल्यों के कारण थी। लेकिन, वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान धातु के मूल्यों में गिरावट जारी रही। यह भी ध्यान रखने की बात है कि मार्च 2009 से अधिकांश पण्य मूल्यों में अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्यों में वृद्धि के अनुरूप बढ़ोतरी हुई है (सारणी 52)।

VI.19 प्रमुख समूहों द्वारा समग्र मुद्रास्फीति में योगदान के अर्थ में, समग्र मुद्रास्फीति में ईंधन समूह का योगदान तेजी से घटा और दिसंबर 2008 में ऋणात्मक हो गया (चार्ट 35)। विनिर्मित उत्पाद समूह का योगदान मुद्रास्फीति के घटते चरण में कम हो गया है, जबकि प्राथमिक वस्तुओं के समूह का योगदान धनात्मक और सुदृढ़ बना हुआ है।

VI.20 मुद्रास्फीति की गति, जैसाकि वार्षिकीकृत माह दर माह मौसमी तौर पर समायोजित डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति में उतार-चढ़ाव से पता चलता है, सितंबर 2008 में ऋणात्मक हो गई (चार्ट 36)। मुद्रास्फीति की गति अप्रैल 2009 से धनात्मक हो गई है (मई 2009 की ऋणात्मक संख्या अनंतिम आंकड़ों में संशोधन न किये जाने के कारण है)। हाल के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जून 2009 माह की वार्षिकीकृत डब्ल्यूपीआइ (मौसमी तौर पर समायोजित) धनात्मक बनी हुई है। यह ध्यान देने की बात है कि यद्यपि माह दर माह मौसमी तौर पर समायोजित

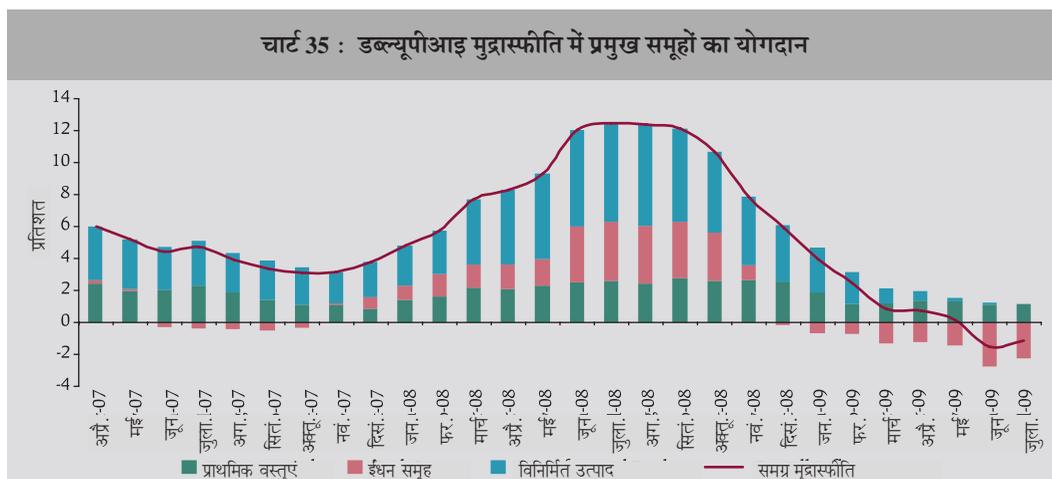
सारणी 52 : प्रमुख पण्य मूल्य - वैश्विक बनाम घरेलू				
मद	(प्रतिशत)			
	वार्षिक मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष जून 09 को)		हाल के रुझान मार्च की तुलना में जून 09 में	
	वैश्विक	भारत	वैश्विक	भारत*
1	2	3	4	5
1. चावल	-24.4	14.9	-2.8	0.3
2. गेहूँ	-26.8	7.2	10.4	2.3
3. दूध	-	4.8	-	0.0
4. कच्चा कपास	-20.5	-10.6	19.0	5.2
5. तिलहन	-19.4	-3.8	32.3	5.3
6. कोयला खनन	-55.3	-1.0	17.0	0.0
7. खनिज तेल	-47.4	-18.3	48.3	3.7
8. खाद्य तेल	-39.8	-12.3	22.1	-2.8
9. खली	-12.9	12.3	29.7	12.2
10. चीनी	35.4	34.7	22.6	11.5
11. मूल भारी अकार्बनिक रसायन	-	-23.1	-	-4.5
12. मूल धातु, मिश्र धातु और उत्पाद - लोहा तथा इस्पात	-32.3#	-14.1	21.1#	-0.5
	-33.7	-19.9	-16.4	-0.6

* : मार्च 2009 के अंत की तुलना में 27 जून 2009 को डब्ल्यू पीआइ पर आधारित।
: आईएमएफ के धातु मूल्य सूचकांक द्वारा प्रतिनिधित्व जिसमें, तांबा, अल्युमिनियम, लौह अयस्क, टिन, निकेल, जिंक, शीशा और यूरेनियम शामिल है।
टिप्पणी : वैश्विक मूल्य विश्व बैंक और आईएमएफ के प्राथमिक पण्य मूल्य आंकड़ों पर आधारित है।

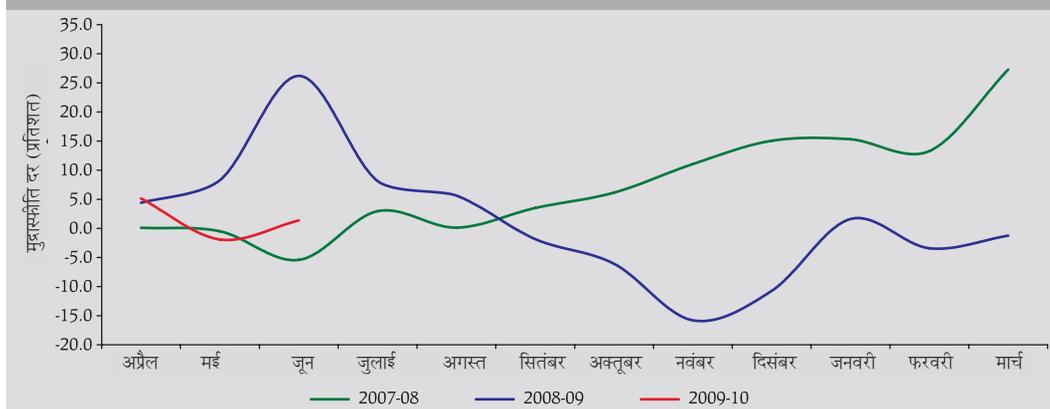
डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति संबंधी मुद्रास्फीतिक स्थितियां एक उपयोगी संकेतक है, ये अस्थिर बनी हुई हैं।

VI.21 अलग-अलग स्तर पर, ईंधन को छोड़कर वर्ष-दर-वर्ष मुद्रास्फीति एक वर्ष के पहले के 10.9 प्रतिशत की तुलना में 11 जुलाई 2009 को 1.4 प्रतिशत थी जिससे पता चलता है कि डब्ल्यूपीआइ के ईंधन से इतर घटक में धनात्मक मुद्रास्फीति बनी हुई है। यह देखा गया कि जून-अक्टूबर 2008 की अवधि के दौरान जब डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति वास्तव में काफी अधिक थी, ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़कर समग्र मुद्रास्फीति डब्ल्यूपीआइ की तुलना में अधिक थी। अक्टूबर 2008 से, ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़कर समग्र मुद्रास्फीति डब्ल्यूपीआइ की तुलना में कम रही है जिससे पता चलता है कि हाल के महीनों में ईंधन समूहों ने मुद्रास्फीति की अस्थिरता में काफी अधिक योगदान किया है (चार्ट 37)। वार्षिक औसत डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति दर (52 सप्ताह का औसत) भी मार्च 2009 के अंत के 8.3 प्रतिशत से घटकर 11 जुलाई 2009 को 5.4 प्रतिशत हो गई।

VI.22 प्रमुख समूहों के बीच, प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति, वर्ष-दर-वर्ष, 11 जुलाई 2009 को 5.0 प्रतिशत थी जबकि मार्च 2009 के अंत में यह 5.2 प्रतिशत थी, जो व्यापक रूप से उच्च आधार प्रभाव को दर्शाती है। मार्च 2009 के अंत से, प्राथमिक वस्तुओं के मूल्य, खाद्य



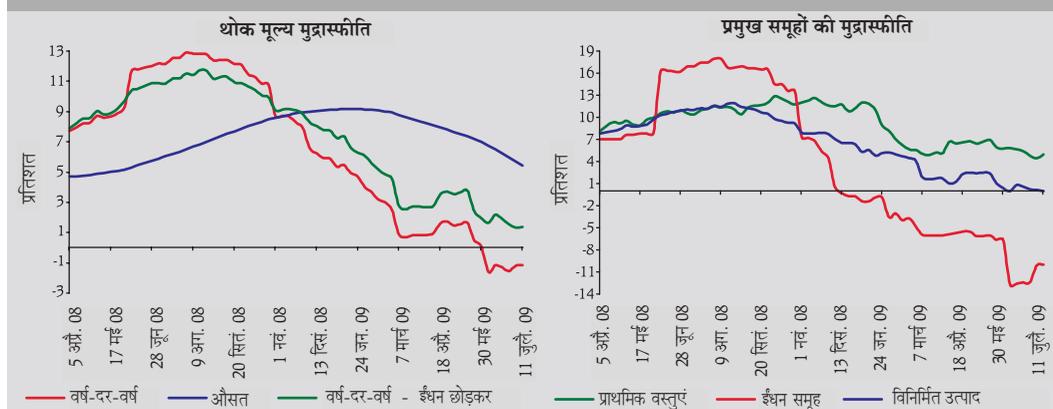
चार्ट 36 : डब्ल्यूपीआइ - सभी पण्यों की वार्षिकीकृत माह दर माह मौसमी रूप से समायोजित मुद्रास्फीति



और गैर खाद्य वस्तु दोनों के मूल्य में वृद्धि के कारण 4.5 प्रतिशत बढ़े। सब्जियों के मूल्य में मार्च 2009 के अंत की तुलना में 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई, जो मौसमी स्वरूप और सब्जियों की फसल को प्रभावित करने वाले प्रबल और विस्तृत ग्रीष्म के कारण बाजार में कम उपलब्धता को दर्शाती है। मार्च 2009 से चाय के मूल्यों में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है क्योंकि वैश्विक चाय उत्पादन में 16 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया है। गेहू, चावल और दालों के मूल्यों में भी मार्च 2009 अंत में वृद्धि हुई (सारणी 53)।

VI.23 तिलहन और कच्चे कपास जैसी कुछ खाद्येतर वस्तुओं के मूल्यों में भी इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई जो व्यापक रूप से उच्च वैश्विक मूल्य और कम घरेलू उत्पादन के कारण थी (2008-09 के चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में 2008-09 में कच्चे कपास और तिलहन के उत्पादन में क्रमशः 10 प्रतिशत और 5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया है)। हाल की वृद्धि के बावजूद, कच्चे कपास और तिलहन के मूल्य एक वर्ष पहले की तदनु रूप अवधि के स्तर से कम बने रहे।

चार्ट 37 : वार्षिक डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति



सारणी 53 : भारत में थोक मूल्य मुद्रास्फीति
(वर्ष-दर-वर्ष)

(प्रतिशत)

पण्य	2008-09 (जुलाई12)		2008-09 (मार्च 28)		2009-10 (जुलाई 11) अ		वित्तीय वर्ष (मार्च 09 के अंत की तुलना में) अ		
	भार	मुद्रास्फीति	भा.अं.	मुद्रास्फीति	भा.अं.	मुद्रास्फीति	भा.अं.	मुद्रास्फीति	भा.अं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सभी पण्य	100.0	12.1	100.0	0.8	100.0	-1.2	100.0	3.5	100.0
1. प्राथमिक वस्तुएं	22.0	10.4	19.8	5.2	141.4	5.0	96.8	4.5	30.7
खाद्य वस्तुएं	15.4	5.7	7.6	7.0	128.9	8.2	107.3	4.8	22.4
i. चावल	2.4	8.4	1.5	14.9	38.7	15.2	27.0	1.4	1.0
ii. गेहूं	1.4	8.5	1.0	4.5	7.7	2.2	2.6	1.4	0.6
iii. दालें	0.6	0.5	0.0	9.4	7.4	15.9	8.6	6.7	1.3
iv. सब्जियां	1.5	-4.6	-0.7	-5.2	-8.2	21.8	29.4	61.9	21.7
v. फल	1.5	12.1	1.5	5.9	12.4	2.5	3.2	-14.0	-7.3
vi. दूध	4.4	7.6	2.7	7.0	35.6	4.8	16.8	0.0	0.0
vii. अंडे, मछली और मांस	2.2	1.4	0.3	3.2	8.9	0.4	0.7	1.7	1.1
खाद्येतर वस्तुएं	6.1	16.3	8.2	0.1	1.0	-2.7	-14.2	4.8	8.3
i. अपरिष्कृत कपास	1.4	31.5	3.0	2.5	3.5	-10.3	-11.9	6.8	2.3
ii. तिलहन	2.7	18.5	4.1	-1.6	-5.6	-1.1	-2.8	6.2	4.8
iii. गन्ना	1.3	-0.4	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
खनिज	0.5	50.0	4.1	7.2	11.6	2.9	3.3	0.0	0.0
2. ईंधन, पावर लाइट और लुब्रीकेट	14.2	16.9	29.9	-6.1	-155.7	-10.0	-192.1	5.4	30.6
i. कोयला उत्खनन	1.8	9.8	1.5	-1.0	-2.4	-1.0	-1.6	0.0	0.0
ii. खनिज तेल	7.0	26.7	27.6	-8.7	-132.8	-14.6	-176.2	9.4	30.6
iii. बिजली	5.5	1.4	0.8	-2.6	-21.1	-2.6	-14.3	0.0	0.0
3. विनिर्मित उत्पाद	63.7	11.0	50.2	1.7	114.0	-0.05	-2.3	2.5	39.3
i. खाद्य उत्पाद	11.5	14.1	11.7	8.8	108.7	9.8	85.7	5.2	16.4
जिनमें से : चीनी	3.6	6.0	1.2	18.4	52.8	34.0	65.7	12.2	9.7
खाद्य तेल	2.8	17.4	3.2	-7.6	-21.6	-12.9	-25.7	-3.2	-2.0
खली	1.4	49.3	6.5	19.3	43.2	12.4	22.6	12.6	7.9
ii. सूती वस्त्र	4.2	6.2	1.6	16.2	53.5	3.4	8.6	0.8	0.7
iii. मानव निर्मित रेशे	4.4	6.6	1.1	-1.5	-3.2	-4.3	-6.9	2.5	1.3
iv. रसायन और रासायनिक उत्पाद	11.9	10.0	9.3	2.0	26.4	2.3	21.3	5.5	17.5
जिनमें से : उर्वरक	3.7	10.0	2.6	4.8	17.5	-0.4	-0.9	0.3	0.3
v. गैर धातु खनिज उत्पाद	2.5	4.3	0.9	1.9	5.4	3.5	6.7	1.8	1.2
जिनमें से : सीमेंट	1.7	3.0	0.4	2.2	4.4	4.2	5.8	2.3	1.1
vi. मूल धातु, संमिश्र धातु और धातु उत्पाद	8.3	22.9	18.0	-12.2	-155.9	-15.1	-134.7	-0.4	-1.1
जिनमें से : लोहा और इस्पात	3.6	35.1	13.2	-18.4	-124.4	-21.0	-99.0	-0.5	-0.6
vii. मशीनरी और मशीन औजार	8.4	6.1	3.3	2.6	18.9	-2.4	-12.5	-0.2	-0.3
जिनमें से : इलेक्ट्रिकल मशीनरी	5.0	6.2	1.7	1.1	4.2	-4.2	-11.6	-0.3	-0.2
viii. परिवहन उपस्कर और पुर्जे	4.3	6.0	1.6	3.1	12.0	0.7	2.0	0.5	0.5
<i>जापन :</i>									
खाद्य मदे (संमिश्र)	26.9	8.9	19.3	7.7	237.6	8.9	193.0	5.0	38.8
डब्ल्यू पी आइ खाद्य छोड़कर	73.1	13.3	80.7	-1.6	-137.6	-4.6	-293.0	3.0	61.2
डब्ल्यू पी आइ ईंधन छोड़कर	85.8	10.8	70.1	2.7	255.7	1.4	92.1	3.1	69.4

भा.अं. : भारत अंशदान अ. : अर्न्तम।

VI.24 अधिकांश कृषि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 2008-09 के फसल मौसम के दौरान बढ़ाया गया है (सारणी 54)। प्राथमिक खाद्य वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि के एक भाग के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में इस वृद्धि को उत्तरदायी माना जा सकता है।

VI.25 ईंधन समूह में मुद्रास्फीति अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्य के रुझानों के कारण थी। जब जुलाई 2008 और मार्च 2009 के बीच अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्यों में गिरावट आई, तो मुक्त रूप से मूल्यित पेट्रोलियम उत्पादों के घरेलू मूल्यों ने अंतरराष्ट्रीय मूल्यों के रुझान को पकड़ा और वे काफी अधिक कम हो गये। इस पृष्ठभूमि में, सरकार ने दिसंबर 2006 से पेट्रोल के मूल्यों में 5 रुपए प्रति लिटर और डीजल में 2 रुपए प्रति लिटर की कमी की। चूंकि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्य (भारतीय बास्केट) प्रति बैरल लगभग 40 अमरीकी डॉलर बने रहे, अतः सरकार ने 29 जनवरी 2009 से पेट्रोल के मूल्यों में 5

रुपए प्रति लिटर, डीजल में 2 रुपए प्रति लिटर और घरेलू उपयोग वाली एलपीजी में 25 रुपए प्रति सिलिंडर की कमी की। परिणामस्वरूप, मार्च 2009 तक ईंधन समूह की मुद्रास्फीति ऋणात्मक हो गई। जून 2008 में प्रशासित मूल्यों में वृद्धि के आधार प्रभाव को दर्शाते हुए, ईंधन समूह की मुद्रास्फीति में और गिरावट आई तथा 11 जुलाई 2009 को यह - 10.0 प्रतिशत थी।

VI.26 अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्यों (डब्ल्यूटीआई) में मार्च 2009 के स्तर से सुधार आया और ये जून 2009 के अंत तक प्रति बैरल 70 अमरीकी डॉलर के लगभग पहुंच गये। ईंधन समूह के अंतर्गत मुक्त रूप से मूल्यित उत्पादों में तदनु रूपी वृद्धि हुई। मुक्त रूप से मूल्यित विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों के बीच, मार्च 2009 के अंत से (11 जुलाई 2009 को) एविएसन टर्बाइन फ्यूल के मूल्यों में 46 प्रतिशत, नेफ्था के मूल्यों में 39 प्रतिशत, फर्नेस ऑयल के मूल्यों में

सारणी 54 : फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य / खरीद मूल्य

पण्य / वर्ष	प्रति कुंतल रुपए			घट-बढ़ (प्रतिशत)	
	2006-07	2007-08	2008-09	2007-08	2008-09
1	2	3	4	5	6
धान (सामान्य) (खरीद मूल्य)	580 ^a	645 ^b	850 ^c	11.2	31.8
गेहू (खरीद मूल्य)	750 ^b	1000.0	1080.0	33.3	8.0
मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा और रागी)	540.0	600.0	840.0	11.1	40.0
गन्ना (वैधानिक न्यूनतम मूल्य)	80.3	81.2	81.2	1.0	0.0
कपास (एफ-414/एच-777)	1770.0	1800.0	2500.0	1.7	38.9
सोयाबीन (काली)	900.0	910.0	1350.0	1.1	48.4
कोपरा (मिलिंग)	3590.0	3620.0	3660.0	0.8	1.1

क : 10 जनवरी 2006 और 31 मार्च 2007 के बीच खरीद पर प्रति कुंतल 40 रुपए का अतिरिक्त प्रोत्साहन बोनास देय है।

ख : न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रति कुंतल 100 रुपए का अतिरिक्त प्रोत्साहन बोनास देय है।

ग : न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रति कुंतल 50 रुपए का बोनास देय है।

स्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण, भारत सरकार, 2008-09 ।

31 प्रतिशत और लाइट डीजल तेल के मूल्यों में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सरकार ने 2 जुलाई 2009 से पेट्रोल (4 रुपए प्रति लीटर) और डीजल (2 रुपए प्रति लीटर) के प्रशासित मूल्यों में भी वृद्धि की घोषणा की क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्यों में वृद्धि के कारण तेल कंपनियों को कम वसूली हो रही थी। इस वृद्धि का सीधा प्रभाव 4 जुलाई 2009 को समाप्त सप्ताह के लिए डब्ल्यूपीआइ की वृद्धि में परिलक्षित होता है।

VI.27 मार्च 2009 से विनिर्मित उत्पाद मुद्रास्फीति, वर्ष-दर-वर्ष, में गिरावट आई जो आधार प्रभाव को दर्शाती है और यह 11 जुलाई 2009 को ऋणात्मक (-0.05 प्रतिशत) हो गई। विनिर्मित समूह के अंतर्गत मुद्रास्फीति में गिरावट व्यापक रूप से लौह और स्टील, खाद्य तेल, मानव निर्मित रेशे और इलेक्ट्रिकल मशीनरी के मूल्यों में वर्ष-दर-वर्ष हुई कमी के कारण थी। चीनी और सूती वस्त्रों के मूल्यों में उच्च वार्षिक मुद्रास्फीति जारी रही। 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान विनिर्मित उत्पाद समूह के मूल्यों में वृद्धि हुई जो विनिर्मित खाद्य उत्पादों जैसे चीनी, खली, औषधि और दवाओं के मूल्यों में वृद्धि के कारण थी और सीमेंट के मूल्यों में मार्च 2009 के अंत में वृद्धि हुई।

VI.28 अगस्त 2008 से, खाद्य तेल, खली के मूल्यों में गिरावट आई जो राजकोषीय उपायों के प्रभाव और वैश्विक उत्पादन में अनुमानित वृद्धि की पृष्ठभूमि में कम अंतरराष्ट्रीय मूल्यों को दर्शाती है। फिर भी, 2008-09 के चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार घरेलू तिलहन की फसल में पिछले वर्ष की तुलना में 5 प्रतिशत की गिरावट की आशा है। वैश्विक मूल्यों में आपूर्ति में कमी के कारण हाल के महीनों में वृद्धि हुई है। इनको दर्शाते हुए, तिलहन और खली के मूल्यों में मार्च 2009 के अंत से वृद्धि हुई है।

VI.29 घरेलू लौह और स्टील के मूल्य कम बने हुए हैं (11 जुलाई 2009 को - 21.0 प्रतिशत) (वर्ष-दर-वर्ष)। घरेलू लौह और स्टील के मूल्यों में गिरावट के लिए घटते वैश्विक मूल्य, घरेलू और बाह्य दोनों मांगों में प्रत्याशित गिरावट तथा सीमा शुल्क में कटौती के रूप में विभिन्न राजकोषीय उपाय और अप्रैल 2008 से सरकार द्वारा घोषित विभिन्न स्टील मदों पर निर्यात शुल्क लगाने को उत्तरदायी माना जा सकता है।

VI.30 समग्रतः, ऋणात्मक डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष) ईंधन समूह और विनिर्मित उत्पाद मुद्रास्फीति में तीव्र गिरावट के कारण रही है, जबकि प्राथमिक वस्तुओं के मूल्य धनात्मक और सुदृढ़ बने हुए हैं।

उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति

VI.31 उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआइ) में वर्ष-दर-वर्ष घट-बढ़ पर आधारित मुद्रास्फीति जून 2008 से बढ़ी है, मुख्य रूप से खाद्य, ईंधन और सेवाओं ('विविध' समूह द्वारा प्रतिनिधित्व) में वृद्धि के कारण। उपभोक्त मूल्य मुद्रास्फीति की विभिन्न मापें मई/जून 2009 के दौरान 8.6 - 11.5 प्रतिशत के दायरे में अधिक बनी रही जबकि ये जून 2008 में 7.3 - 8.8 प्रतिशत और मार्च 2009 में 8.0 - 9.7 प्रतिशत थीं (सारणी 55)। हाल के महीनों में डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति की तुलना में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति में उच्च क्रम की वृद्धि के लिए खाद्य वस्तुओं, जिनका भारांक सीपीआइ में उच्चतर है, के उच्च मूल्यों को उत्तरदायी माना जा सकता है। फिर भी, सीपीआइ के विविध समूहों में, जो डब्ल्यूपीआइ का भाग नहीं बनते (जिनका भारांक विविध सीपीआइ में 11.9 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के दायरे में है), काफी अधिक मूल्य दबाव दिखे जिसके कारण अंतर बढ़े। इसी

सारणी 55 : उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति - प्रमुख समूह										
(प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष घट-बढ़)										
सीपीआइ उपाय	भार	मार्च 07	मार्च 08	जून 08	सितं 08	दिसं 08	मार्च 09	अप्रै 09	मई 09	जून 09
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
सीपीआइ - औ.का. (आधार : 2001=100)										
सामान्य	100.0	6.7	7.9	7.7	9.8	9.7	8.0	8.7	8.6	-
खाद्य समूह	46.2	12.2	9.3	10.5	13.1	13.1	10.6	10.4	11.7	-
पान, सुपारी आदि	2.3	4.4	10.9	7.1	7.8	8.5	8.3	6.7	7.5	-
ईंधन और बिजली	6.4	3.2	4.6	8.4	9.1	9.7	7.4	6.6	5.9	-
आवास	15.3	4.1	4.7	4.7	3.8	3.8	6.0	6.0	6.0	-
वस्त्र, बिस्तर आदि	6.6	3.7	2.6	2.5	2.5	4.2	5.0	4.2	4.1	-
विविध	23.3	3.3	6.3	6.2	7.6	8.3	7.4	7.4	7.4	-
सीपीआइ - यूएनएमइ (आधार : 1984-85=100)										
सामान्य	100.0	7.6	6.0	7.3	9.5	9.8	9.3	8.8	9.7	-
खाद्य समूह	47.1	10.9	7.8	9.6	13.2	13.4	12.2	11.1	12.9	-
ईंधन और बिजली	5.5	6.4	4.6	5.3	6.2	7.7	5.9	6.7	5.8	-
आवास	16.4	5.6	4.0	3.8	3.5	3.5	5.8	6.0	6.0	-
वस्त्र, बिस्तर आदि	7.0	3.6	4.3	3.4	3.1	2.7	3.3	4.2	4.2	-
विविध	24.0	4.4	4.8	6.6	8.4	9.3	8.6	7.6	8.1	-
सीपीआइ - कृ.श्र. (आधार : 1986-87=100)										
सामान्य	100.0	9.5	7.9	8.8	11.0	11.1	9.5	9.1	10.2	11.5
खाद्य समूह	69.2	11.8	8.5	9.6	12.0	11.9	9.7	9.1	11.2	12.4
पान, सुपारी आदि	3.8	5.7	10.4	11.2	12.8	13.7	15.3	14.5	14.4	14.2
ईंधन और बिजली	8.4	6.9	8.0	8.9	10.2	11.3	11.5	10.9	10.6	11.0
वस्त्र, बिस्तर आदि	7.0	3.5	1.8	3.1	6.0	7.0	7.4	7.9	7.6	8.3
विविध	11.7	6.8	6.1	6.5	7.1	7.0	6.5	6.2	6.6	6.1
सीपीआइ - ग्रा.श्र. (आधार : 1986-87=100)										
सामान्य	100.0	9.2	7.6	8.7	11.0	11.1	9.7	9.1	10.2	11.3
खाद्य समूह	66.8	11.5	8.2	9.6	12.0	11.9	10.0	9.1	11.2	12.4
पान, सुपारी आदि	3.7	5.7	10.6	10.9	12.5	13.4	15.0	14.0	14.1	14.1
ईंधन और बिजली	7.9	6.9	8.0	8.9	10.5	11.3	11.5	10.9	10.6	11.0
वस्त्र, बिस्तर आदि	9.8	3.1	2.8	4.1	6.5	7.3	8.2	8.4	8.3	8.8
विविध	11.9	6.3	6.2	6.8	7.4	7.5	6.7	6.2	6.4	6.2
जापन:										
डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति (अवधि के अंत में)		5.9	7.7	12.0	12.1	5.9	0.8	1.7	0.1	-1.6
जीडीपी अपस्फीतिकारी आधारित मुद्रास्फीति*		5.5	4.9	8.0	10.6	8.3	7.8	-	-	-
* : मार्च के आंकड़े संपूर्ण वर्ष के हैं।										
औ.का. : औद्योगिक कामगार										
यूएनएमइ : शारीरिक श्रम न करने वाले शहरी कर्मचारी										
कृ.श्र. : कृषि श्रमिक										
ग्रा.श्र. : ग्रामीण श्रमिक										

प्रकार, डब्ल्यूपीआइ के धातु समूह में, जो सीपीआइ समूह का हिस्सा नहीं बनते, काफी अधिक ऋणात्मक मुद्रास्फीति दिखाई, इस तरह इसने सीपीआइ और डब्ल्यूपीआइ के

बीच समग्र अंतर को बढ़ाया। डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति की तुलना में सीपीआइ मुद्रास्फीति के उतार-चढ़ाव में सामान्यतयः एक अंतराल भी रहता है।

VI.32 समग्रतः, वर्तमान ऋणात्मक डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति व्यापक रूप से एक वर्ष पहले मूल्य में हुई तीव्र वृद्धि के आधार प्रभाव को दर्शाती है। मार्च 2009 के अंत से डब्ल्यूपीआइ की गति मूल्य दबावों की मौजूदगी की ओर संकेत करती है, ये मूल्य दबाव व्यापक रूप से 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान अंतरराष्ट्रीय पण्य

मूल्यों में वृद्धि तथा बड़े पैमाने पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के देरी से आने के कारण बदलती घरेलू आपूर्ति स्थितियों के कारण थे। उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति और खाद्य वस्तुओं के मूल्य उच्च स्तर पर बने रहे; इसलिए, मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति में गिरावट के समानुपात में कम नहीं हो रही हैं।